वर्ष :: 33 अंक : 23
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 05 मार्च, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

मिथिला वर्णन के सभी सुधी पाठकों को रंगोत्सव होली की हार्दिक शुभकामनाएं।

बोकारो में मेडिक्लेम का 'गेम'

सेहत का गोरखधंधा... सहारा देने की उम्र में छोड़ा बेसहारा, फिर सामने आई 'एमडी इंडिया' की धांधली

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : मेडिक्लेम आज लोगों की एक जरूरत बन चुका है, लेकिन इस जरूरत और विवशता का कुछ लोग नाजायज फायदा उठाने में लगे हुए हैं। जिस तरह आज जैसे-तैसे नियमों को ताक पर रखकर अस्पताल खुलते जा रहे हैं, उसी प्रकार मेडिक्लेम के नाम पर अपनी दुकानदारी चलाने वालों की भी भरमार हो गई है। कुकुरमुत्ते की तरह एक नहीं, सैकड़ों कंपनियां तरह-तरह की स्कीम आदि के नाम पर लोगों को केवल एक पार्टी (ग्राहक) के रूप में फांसने में लगे हैं। कुछ ऐसे भी लोग हैं जो अपने स्वार्थ के लिए नामी-गरामी कई बड़ी बीमा कंपनियों के नाम और उसकी शोहरत की मिट्टी पलीद करने में लगे हुए हैं। इस्पातनगरी बोकारो में भी दुर्भाग्यवश यही स्थिति है। मेडिक्लेम के नाम पर दुकानदारी चलाने वालों की भरमार हो चुकी है। आश्चर्य की बात तो यह है कि ऐसी कंपनियां लोगों को तरह-तरह के लुभावने वायदे कर योजनाएं बताकर अपने झांसे में ले लेते हैं, लेकिन जब लोगों को मेडिक्लेम की जरूरत पड़ती है, उस समय ये कंपनियां ऐन वक्त पर दगा दे जाती है। एक तो बीमारी, शारीरिक तकलीफ और ऊपर से मेडिक्लेम कंपनियों की धोखाधड़ी सेहत सुधारने की बजाए लोगों की सेहत और बिगाड़ ही रही है। खास तौर से बुढ़ापे की जिस उम्र में लोगों को सहानुभूति, सहायता और सहारे की जरूरत होती है, मेडिक्लेम कंपनियां उन्हें दगा देकर उनकी पीड़ा को और पीड़ादायक बनाने में लगी है। 'एमडी इंडिया' नामक मेडिक्लेम कंपनी की यह दगाबाजी एक बार फिर सामने आई है और सहारा मांगने वाले हाथ आज इंकलाबी आंदोलन करने को विवश हैं।

कंपनी की नीति पलायनवादी : रणधीर

राष्ट्रवादी इस्पात मजदूर संघ के महामंत्री रणधीर सिंह ने कहा कि टीपीए द्वारा इलाज खर्च का भुगतान अभी तक नहीं किए जाने पर सभी कार्डधारी मरीज (सेलकर्मी) आक्रोशित हैं। ऐसे बहुत सारे वृद्ध और लाचार लोग इसका कारण जानने टीपीए के कार्यालय जा पहुंचे। सभी बुजुर्गों को आक्रोशित रूप में देखते ही और अपनी कंपनी का दोष समझते हुए कंपनी के स्थानीय पदाधिकारी भाग खड़े हुए। वहां मौजूद कनीय कर्मचारियों को बुजुर्गों की शिकायत से रू-ब-रू होना पड़ा। जनहित के मुद्दों पर कंपनी की पलायनवादी नीति के विषय पर कंपनी के पुणे स्थित प्रधान कार्यालय में सीईओ समीर भोंसले सहित अन्य पदाधिकारियों के साथ कई बार वार्ता हुई।

उन्होंने सेल कर्मियों के सभी वादों का भुगतान करने एवं भविष्य में किसी तरह की शिकायत न आने का आश्वासन दिया था, परंतु अस्पताल को सेलकर्मियों के इलाज का खर्च भुगतान नहीं किए जाने से बेचारे बुजुर्ग व अन्य लोग लाचार हो चुके हैं।

5 साल पहले भी सामने आई थी दगाबाजी

विदित हो कि वर्ष 2018 में एमडी इंडिया की कथित धोखेबाजी के खिलाफ लगातार कई दिनों तक सेवानिवृत्त कर्मियों ने भूख-हड़ताल की थी। चास के तत्कालीन एसडीओ सतीश चन्द्रा के हस्तक्षेप से उस वक्त मामले में सकारात्मक पहल की गई थी, परंतु कंपनी की आदत आज भी जस की तस बनी है।

'सेटिंग'... बिना जांच के ही हो जाता है बड़े अस्पतालों का भुगतान

दूसरी तरफ कंपनी द्वारा समुचित इलाज की भावना से दूर चापलूस, मिली-जुली साजिश करने वाले बड़े अस्पताल का अनुचित बिल बिना किसी जांच के ही भुगतान कर दिया जाता है। हाल में ऐसे कई मामले देखे गये हैं, जिनमें आठ-आठ लाख रुपये तक का भुगतान अपने चहेते अस्पतालों को दिया गया है। राष्ट्रवादी इस्पात मजदूर संघ के महामंत्री रणधीर सिंह ने कहा कि निश्चित तौर पर एमडी इंडिया के प्रधान कार्यालय एवं अन्य संबद्ध की साजिश के साथ ऐसा किये जाने की संभावना बलवती प्रतीत होती है। यदि भविष्य में अविलंब इस विषय पर सकारात्मक पहल करते हुए एम डी इंडिया द्वारा समुचित कदम नहीं उठाया गया तो हम सेलकर्मी कंपनी के खिलाफ किसी स्तर तक आंदोलनात्मक रवैया अख्तियार करने पर बाध्य होंगे और इस क्रम में होने वाली किसी भी तरह की क्षतिपूर्ति के लिए एमडी इंडिया टीपीए प्राइवेट लिमिटेड (कंपनी) पूरी तरह जिम्मेवार होगी।

साजिश का शिकार बीएसएल के रिटायर्ड कर्मी, धधक रहा आक्रोश

सेल के सेवानिवृत्त कर्मी भयानक साजिश का शिकार बनाये जा रहे हैं। सेल की स्कीम के तहत जिन सेवानिवृत्त कर्मियों ने अपना इलाज करवाया है, एम डी इन्डिया नामक बीमा कम्पनी द्वारा उनकी बीमारी के इलाज की बीमा राशि का भुगतान नहीं किया जा रहा है। इसके कारण सेवानिवृत्त कर्मियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी बात को लेकर हाल में सेवानिवृत्त कर्मियों का आक्रोश फूट पड़ा। उन्होंने बोकारो के सेक्टर-1 स्थित एम डी इन्डिया टीपीए प्राइवेट लिमिटेड के कार्यालय के समक्ष धरना देते हुए जोरदार प्रदर्शन किया और अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

नहीं दे रहे अस्पताल के इलाज का खर्च

आंदोलन का नेतृत्व करने वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से संबद्ध राष्ट्रवादी इस्पात मजदूर संघ के महामंत्री रणधीर सिंह ने कहा कि एमडी इन्डिया के माध्यम से जिनकी बीमारियों का इलाज हुआ है, उन्हें अब रोना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि सेलकर्मियों का स्वास्थ बीमा, न्यू इंडिया इंश्योरेंस के टीपीए - एम डी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के अंतर्गत कवर है। एमडी इंडिया ने अपने लगभग सभी बीमाधारकों को कैशलेस इलाज के लिए कंपनी का कार्ड जारी किया है और दूसरी तरफ अपने उन्हीं कार्डधारकों का इलाज कर रहे अस्पताल के इलाज का खर्च, बिना किसी उचित कारण के रोक रखा है।

मदद के इंतजार में पथराईं बूढ़ी आंखें

कहा- जीवन भर की सेवा, अब आफत में कहां से लाएं पैसे

मदद के इंतजार में सेवानिवृत्त इस्पातकर्मियों की आंखे पथरा चुकी हैं। उनकी आंखों से उनका यह दर्द साफ झलकता है कि जीवन भर लौह इस्पात बनाने वाला सीना आज जब दर्द से तड़प रहा है। कोई भी अधिकारी इनकी सुध लेने की जरूरत नहीं समझ रहा। पूर्व इस्पात कर्मी बताते हैं कि दरअसल यूनाइटेड इंडिया इंशोरेंस और सेल के ज्वाइंट ऑपरेशन के तहत मेडिक्लेम की सुविधा प्रदान करने वास्ते जिस कंपनी एमडी इंडिया को ठेका मिला है, उसे ठेका देना ही भ्रष्टाचार का बोलबाला रहा है। लिहाजा, वह कंपनी अपना फायदा देख रही है। उन्हें सेवानिवृत्त इस्पात कर्मियों के दर्द से कोई वास्ता है।

'जिंदगी भर सेवा की, अब पैसे कहां से दें'

एमडी इंडिया दफ्तर के बाहर रोष जता रहे धर्मनाथ राय नामक एक अन्य भुक्तभोगी ने कहा कि उनसे भी इलाज के पैसे मांगे जा रहे हैं, जबकि उनलोगों ने ताउम्र सेवा की है। कंपनी के अधिकारी कार्यालय में मिलते ही नहीं। वे अपनी बात रखें, तो किसके पास रखें।

मोतियाबिंद-आपरेशन का नहीं मिल रहा खर्च

गोपाल विश्वकर्मा नामक एक बुजुर्ग ने बताया कि उनकी पत्नी का मोतियाबिंद का ऑपरेशन एमडी इंडिया से जुड़े सेक्टर-4 स्थित एक अस्पताल में किया गया था। लेकिन अस्पताल वाले बिल पास नहीं होने की बात कहकर बिल क्लियर करने का दबाव बना रहे हैं। अब वो आफत में हैं कि करें तो क्या करें। कंपनी जल्द से जल्द बीमा के पैसे का भुगतान करे।

अस्पताल वाले रोज कर रहे तगादा

राजद नेता समर बहादुर यादव ने बताया कि उन्होंने अपनी माताजी को सेक्टर-4 के एक अस्पताल में हाई ब्लड प्रेशर और हाई शुगर की स्थिति में भर्ती कराया था। आंख में दिक्कत थी। उनका इलाज करवाया, लेकिन अस्पताल वाले बगैर राशि-भुगतान के मरीज को नहीं छोड़ रहे थे। काफी निवेदन के बाद वह माताजी को ले तो आए, परंतु अब अस्पताल वाले लगातार तगादा कर रहे हैं। उनका कहना है कि स्वास्थ्य बीमा कंपनी उनके बिल का अप्रूवल नहीं कर रही।

– संपादकीय –

पंजाब में पुनः आतंक की आहट

पंजाब में पुनः दहशतगर्दी का दौर शुरू हो चुका है। खालिस्तान के नाम पर एकबार फिर से आतंक की आहट सुनाई देने लगी है। अब वहां देशद्रोही हरकतों में शामिल कुछ लोग 'हिन्दुस्तान मुदार्बाद' और 'खालिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगा रहे हैं और भारत माता के खिलाफ उनके आपत्तिजनक बोल भी सामने आ रहे हैं। लेकिन, पंजाब की वर्तमान सरकार खालिस्तानी अलगाववादियों की इन करतूतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर रही है। दरअसल, भारत के टुकड़े कर खालिस्तान आंदोलन का बिगुल फूंका है अमृतपाल सिंह ने, जो कुछ ही माह पहले दुबई से भारत लौटा है। अमृतपाल सिंह 'वारिस पंजाब दे' गुट का मुखिया और खालिस्तान का कट्टर समर्थक बताया जाता है। हाल ही में अमृतपाल सिंह ने पंजाब में लोकतंत्र की धज्जियां उड़ा दी। वह अपने हजारों समर्थकों के साथ अमृतसर के अजनाला थाने में घुस गया। उसके समर्थकों के हाथों में धारदार तलवारें, राइफलें और मुंह पर भारत विरोधी नारे थे। कानून व्यवस्था को धत्ता बताते हुए अमृतपाल के समर्थकों ने पुलिस वालों को मारपीट कर उन्हें लहूलुहान कर दिया। अजनाला में पुलिस थाने पर हमला किया गया और बैरिकेड तोड़ डाले गए। यह सब उसने अपने साथी लवप्रीत उर्फ तूफान सिंह को छुड़ाने के लिए किया, जिसे पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था। दरअसल, लवप्रीत तूफान के खिलाफ अपहरण और मारपीट का मुकदमा दर्ज हुआ था। लेकिन, अमृतपाल सिंह की ताकत के आगे कानून-व्यवस्था ने घुटने टेक दिये और पुलिस लवप्रीत तूफान को छोड़ने पर विवश हुई। लेकिन, बड़ी बात यह है कि इस पूरे प्रकरण के पीछे खालिस्तान का समर्थन और भारत विरोध के स्वर सुनाई दिये। यह न सिर्फ पंजाब, बल्कि पूरे देश के लिए खतरे की घंटी है। दरअसल, खालिस्तान के नाम पर पंजाब की धरती पहले भी कई बार लहूलुहान हो चुकी है। यही वजह है कि पंजाब के पूर्व डीजीपी एस एस विर्क ने इस तरह के खुले प्रदर्शन को लोकतंत्र और किसी भी राज्य की कानून व्यवस्था के लिए खतरा बताया। उनका मानना है कि पंजाब ने आतंकवाद के काले दिन देखे हैं, इसलिए प्रशासन को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। पूर्व डीजीपी ने यह भी सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि पंजाब में काले दिनों को दोबारा वापस नहीं लौटने दिया जाय। दरअसल, अमृतपाल सिंह खालिस्तान का कट्टर समर्थक है और वह लंबे समय से इस आंदोलन से जुडा रहा है। उसने गृह मंत्री अमित शाह को भी धमकी दी थी। अमृतपाल सिंह के रवैये को देखते हुए इस बात की आशंका जताई जा रही है पंजाब में कहीं 1980 के दशक वाली स्थिति न बन जाय। क्योंकि, 1980 के दशक में भिंडरावाले की कहानी देश आज तक भूल नहीं पाया है। जबकि, अमृतपाल सिंह को भिंडरावाले-2 ही माना जा रहा है। मालूम हो कि खालिस्तान की मांग के तार पाकिस्तान से लेकर कनाडा तक जुडे हैं। इसलिए यह भारत के लिए एक गंभीर मसला है। इसलिए जरूरत इस बात की है कि तुष्टिकरण की राजनीति करने वाली पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार पर भरोसा न कर केन्द्र सरकार इन सपोलों का फन कुचलने के लिए खुद तैयार रहे।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

अग्रणी महिलाएं- ग्रामीण भारत में बदलाव की सूत्रधार

विनी महाजन
सचिव,
जल शक्ति मंत्रालय,
भारत सरकार
(पेयजल एवं स्वच्छता विभाग)।

08 मार्च : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष

ग्रामीण भारत में अग्रणी महिलाएं समुदायों के व्यवहार में परिवर्तन लाकर स्वच्छ भारत निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं और दूसरों को भी अपने जैसा बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं। यह नारी सशक्तिकरण का युग है। यह वास्तव में हमारे लिए अपने समाज में महिलाओं की शक्ति को पहचानने और स्वीकार करने का सही समय है। लेकिन यह केवल खेल, राजनीति, सिनेमा, सशस्त्र बलों, कॉरपोरेट व्यवसायों या अन्य क्षेत्रों से जुड़ी महिलाओं के बारे में नहीं है। यह ग्रामीण भारत की आम महिलाओं के बारे में है, जो पुरुषों जैसे समान अवसरों और विशेषाधिकारों के बिना भी स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, या एसबीएम-जी जैसी पहलों के कारण हमारे ग्रामीण समुदायों के लिए अग्रणी व्यक्तियों और बदलाव की माध्यम के रूप में विभिन्न भूमिकाएं निभा रहीं हैं।

पेयजल और स्वच्छता विभाग के एक भाग के रूप में, मुझे यह परिवर्तन देखने का सौभाग्य मिला है। वर्तमान में एसबीएम-जी, अपने दूसरे चरण में है। हमारे प्रधानमंत्री ने 2 अक्टूबर 2014 को इस कार्यक्रम की शुरूआत की थी, जिसके प्रमुख उद्देश्यों में से एक था- भारत को खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) करना। एसबीएम-जी का उद्देश्य, ओडीएफ की स्थिति को बनाए रखने के साथ ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन है। इसमें गोबरधन सहित जैविक रूप से अपघटित होने वाला अपशिष्ट प्रबंधन, जैविक रूप से अपघटित नहीं होने वाले अपशिष्ट के प्रबंधन के लिए उन्नत तरीकों तक पहुंच, घरों से निकलने वाले गंदे पानी का प्रबंधन और मल कीचड़ प्रबंधन शामिल है, ताकि परिदृश्य को स्वच्छ बनाया जा सके।

एसबीएम-जी का मुख्य परिप्रेक्ष्य केवल धन देना और अलग-अलग घरों में शौचालयों का निर्माण करना नहीं था, बल्कि लोगों के सामूहिक व्यवहार में बदलाव सुनिश्चित करना था। इसलिए, इस प्रमुख उपलब्धि को हासिल करने की दिशा में हमारा दृष्टिकोण समुदाय आधारित संपूर्ण स्वच्छता (सीएलटीएस) की रूपरेखा पर आधारित था। यह एक ऐसा दृष्टिकोण था, जिसे पिछले 15-20 वर्षों की अवधि में कई देशों में आजमाया और परखा गया था। सीएलटीएस दृष्टिकोण ने समुदाय की भागीदारी को प्रोत्साहित किया और उनके मूल्यांकन के आधार पर समाधान तैयार किए गए। इसने स्थानीय महिलाओं को प्राचीन काल से उनके द्वारा सामना की जा रही उदासीनता के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। हमारे गांवों की महिलाएं ही, खासकर मासिक धर्म और गर्भावस्था के दौरान, दिन के उषा-काल में खुले में शौच करने की प्रक्रिया का उचित वर्णन कर सकती हैं, चाहे सर्दी का मौसम हो या मानसून हो। घर में शौचालय का अभाव न केवल उनकी निजता और सुरक्षा को खतरे में डालता है, बल्कि यह उनके मूल अधिकारों पर भी एक हमला है।

महिलाएं ओडीएफ अभियान की सबसे बड़ी लाभार्थी हैं और इस कारण बड़ी संख्या में महिलाएं इस अभियान का नेतृत्व करने के लिए आगे आईं और कार्यक्रम की सफलता की कुंजी बन गईं। स्वच्छाग्रहियों के रूप में जानी जाने वाली 30 से 40 प्रतिशत महिला स्वयंसेवकों ने अग्रणी भूमिका निभाते हुए सामूहिक स्तर पर व्यवहार परिवर्तन की प्रक्रिया की शुरूआत की। महिला निगरानी समितियों ने खुले में शौच पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित किया। मुख्य रूप से महिलाओं द्वारा इस अभियान की अगुवाई करने के साथ, महिला स्वयं सहायता समूहों, महिला समाख्या समूहों तथा अन्य भी इस अभियान के साथ जुड़ गए। पंचायती राज संस्थाओं में निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों ने भी कई स्थानों पर सक्रिय भूमिका निभाई। इन स्थितियों में निस्संदेह यह कहा जा सकता है कि पहले के स्वच्छता अभियानों की तुलना में महिलाओं की भागीदारी ने एसबीएम-जी की सफलता को सुनिश्चित किया। एक समूह द्वारा समर्थित अग्रणी महिलाओं ने पितृसत्तात्मक समाजों, जहां महिलाओं को नेतृत्व-भूमिकाओं में स्वीकार नहीं किया जाता है, में भी सामुदायिक व्यवहार में बदलाव लाने में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। यहां एसबीएमजी के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली कुछ महिलाओं के उदाहरण दिए गए हैं, जिन्होंने समुदायों के व्यवहार और सोच में व्यापक बदलाव लाने में सफलता हासिल की है।

त्रिची जिले के पुल्लमबाड़ी ब्लॉक के कोवंडाकुरिची ग्राम पंचायत की टी. एम. ग्रेसी हेलेन एक विशिष्ट स्वच्छाग्रही या एक अग्रणी महिला के बेहतरीन उदाहरणों में से एक हैं, जिन्होंने अपने समूह के अंदर और बाहर दोनों ही जगह कई लोगों को प्रेरित किया है। वे एक महिला स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की सदस्य के रूप में ग्रामीण लोगों के बीच सुरक्षित स्वच्छता और व्यक्तिगत स्वच्छता के तौर-तरीकों को बढ़ावा देने के लिए पिछले दो दशकों से अथक प्रयास कर रही हैं। उन्हें 2015 में एक स्वच्छता मास्टर ट्रेनर के रूप में पदोन्नत किया गया था। उन्होंने अपने जिले में सामुदायिक सक्रियता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए एक आदर्श प्रेरणा-स्रोत का खिताब हासिल किया। एसबीएम-जी के पहले चरण के दौरान, उन्होंने अपने ब्लॉक में 1520 लाभार्थियों को दोहरे गड्ढे वाले शौचालयों के निर्माण और उपयोग करने के लिए प्रेरित किया, जिससे उनकी ग्राम पंचायत को खुले में शौच मुक्त बनाने में मदद मिली। उनके आत्मविश्वास से भरे दृष्टिकोण और मजबूत संचार कौशल ने उन्हें स्वच्छता जागरूकता फैलाने और अपने गांव में व्यवहारिक परिवर्तन लाने में एक प्रभावशाली व्यक्ति बना दिया। एसबीएम-जी के दूसरे चरण के तहत, ग्रेसी ने अपने गांव की ओडीएफ स्थिति को बनाए रखने में बहुत योगदान दिया। एक राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर के रूप में, उन्होंने 2000 से अधिक प्रेरक व्यक्तियों, पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों, ग्राम गरीबी उन्मूलन समिति के सदस्यों, विभिन्न जिलों के एसएचजी सदस्यों और अन्य को प्रशिक्षित किया है।

श्रीमती एस.ई. पनघाटे इस बात का एक और उदाहरण हैं कि कैसे एक आम महिला अपने दृष्टिकोण, प्रतिबद्धता और दृढ़ता से समुदायों में परिवर्तन ला सकती हैं। पनघाटे महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के कोरपाना तालुका के पिंपलगांव की हैं और उन्हें 21 आदिवासी गांवों को खुले में शौच मुक्त बनाने का श्रेय दिया जाता है। उन्होंने पहले ग्रामीण स्तर के सरकारी पदाधिकारियों से संपर्क स्थापित करने का निश्चय किया और उन्हें अपने गांव में स्वच्छता के लिए काम करने की प्रेरणा दी। उसके बाद उन्होंने सक्रिय पुरुषों और महिलाओं को शामिल किया, ताकि वे स्वच्छता के बारे में प्रचार करें और गांवों के ओडीएफ होने के महत्व को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं। पुरुषों और महिलाओं की इस टीम के साथ, पनघाटे ने गांव में बैठकें कीं और लोगों को शौचालय बनाने की आवश्यकता व महत्व के बारे में भरोसा दिलाया, जिससे खुले में शौच की प्रथा समाप्त हो गई। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से उन घरों का दौरा किया, जहां शौचालय नहीं थे और उन्हें शौचालय बनाने के लिए राजी किया। उन्होंने सभी ग्राम पंचायतों में स्थायी स्वच्छता स्थितियों के लिए ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में भी काम किया।

इन अग्रणी महिलाओं ने एसबीएमजी के प्रचार में असाधारण प्रदर्शन किया है और उनके जैसे कई अन्य वर्तमान में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण को दूसरों के लिए एक अनुकरणीय मॉडल बनाने की दिशा में अथक प्रयास कर रहे हैं।

होली आई रे कन्हाई रंग छलके... रंग गुलाल संग बांट रहे खुशियां

रंगोत्सव के रंग में रंगी इस्पातनगरी

संवाददाता
बोकारो : वैसे तो वसन्त पंचमी के दिन से ही लोग होलियाना अंदाज में आ जाते हैं। क्योंकि, वसन्त के आगमन के साथ ही प्रकृति में भी मादकता छाने लगती है। लेकिन, इधर जैसे-जैसे फाल्गुन पूर्णिमा और होली के दिन करीब आते जा रहे हैं, वैसे-वैसे बोकारो जिले में चौतरफा वसंतोत्सव की धूम मचने लगी है। अलग-अलग संगठनों की ओर से होली मिलन समारोहों का आयोजन कर रंग-गुलाल व स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ आपस में खुशियां बांटी जा रही हैं। महिला, बुजुर्ग, शिक्षक, विद्यार्थी, नेता, अधिकारी, कर्मचारी, हर तबके के, हर वर्ग के लोग होली के उमंग में डूबे हैं। हर तरफ होली के फिल्मी और गैरफिल्मी गीत गुंजरित हो रहे हैं। इसी कड़ी में चास रोटरी की ओर से रोटरी के चीराचास स्थित परिसर में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया तो शनिवार को कर्ण गोष्ठी महिला ग्रुप बोकारो ने स्थानीय जगन्नाथ मंदिर परिसर में होली मिलन समारोह का आयोजन किया। संगठन के बोकारो ग्रुप की अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा रानी कर्ण के नेतृत्व में मैथिल कायस्थ महिलाओं ने स्थानीय जगन्नाथ मंदिर परिसर में होली मिलन का आनन्द उठाया। संस्कार भारती का समारोह सेक्टर-4एफ स्थित सूर्य मंदिर परिसर में हुआ। मौके पर अमरजी सिन्हा, अरुण पाठक सहित अरूप रक्षित, किम्मी जी आदि ने होली गीतों व भजनों की सुमधुर प्रस्तुति की।

सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ा रहा चेंबर : बैद

बोकारो चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा जैन मिलन केंद्र में होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चेंबर अध्यक्ष प्रदीप सिंह ने कहा कि होली बुराई के नष्ट होने का प्रतीक है। चेंबर के संरक्षक संजय बैद ने कहा कि होली हिंदुओं के प्राचीन त्योहारों में से एक है और चेंबर अपनी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ा रहा है। समारोह में बोकारो विधायक बिरंची नारायण, बीएसएल के जीएम (नगर सेवाएं) बीएस पोपली, चेंबर महामंत्री सिद्धार्थ पारख, सुशील बैद, आर. उनेश, मनोज चौधरी, मुकेश अग्रवाल, सुभाष केजरीवाल, राजेश केडिया, विनय सिंह, नरेंद्र सिंह, प्रेम राज गोयल, राजकुमार जायसवाल, रविशंकर प्रसाद, अंजनी कुमार रूपक, शैलेंद्र जयसवाल, राजेश पोद्दार, एसके मेहरिया, सुभाष जैन, सुरेश केडिया, कमल तनेजा, निवारण चंद्र आदि रहे।

चास रोटरी का होली मिलन आयोजित

रोटरी भवन चीराचास में चास रोटरी क्लब की ओर से होली मिलन कार्यक्रम रंग-व-उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। मौके पर चास रोटरी के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह एवं सचिव पूजा बैद सहित चास रोटरी के संस्थापक अध्यक्ष संजय बैद, विपिन अग्रवाल, डॉ. परिंदा सिंह, कुमार अमरदीप, मंजीत सिंह, दीपक अग्रवाल, विनोद चोपड़ा, सिद्धार्थ सिंह माना, मुकेश अग्रवाल, सिद्धार्थ पारख, डॉ. सुमन कुमार, डॉ संजीव कुमार, मनोज चौधरी, राजेश केडिया, हरबंस सिंह, विनय सिंह, दिलीप सिंह, गौरव रस्तोगी, संजय रस्तोगी, धनेश बंका, उषा कुमार आदि रहे।

बुराई पर अच्छाई की जीत है होली : अमरदीप

प्राथमिक विद्यालय को-आपरेटिव में होली मिलन समारोह हुआ। समाजसेवी कुमार अमरदीप ने मौके पर कहा कि होली बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। यह आपसी प्रेम व भाईचारे का संदेश देता है। बच्चों को देश की सभ्यता व संस्कृति से जोड़ने की दिशा में काम हो रहा है। प्रधानाध्यापक अलका कुमारी व शिक्षक मनोज कुमार ने भी अपने विचार रखे। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को अबीर व उपहार प्रदान किया। इसके पूर्व लकड़ाखंदा मध्य विद्यालय में भी समाजसेवी कुमार अमरदीप ने स्कूली बच्चों के बीच होली के उपहार बांटे।

विप्र समाज ने दिया एकता व भाईचारे का संदेश

सिटी पार्क में विप्र होली मिलन समारोह सह- स्थापना दिवस का आयोजन किया गया। संगठन के जिलाध्यक्ष विष्णु शंकर मिश्र के नेतृत्व में चास-बोकारो के अलावा दूर-दराज से आये विप्रों ने इसमें भाग लिया और संपूर्ण विप्र समाज के बीच आपसी एकता का संदेश दिया गया। समारोह में मुख्य रूप से हजारीबाग के पूर्व सांसद यदुनाथ पाण्डेय, धनबाद के पूर्व सांसद चन्द्रशेखर दुबे, गिरिडीह के पूर्व सांसद रवींद्र कुमार पाण्डेय, सम्पूर्ण विप्र समाज के प्रदेश अध्यक्ष शशिभूषण ओझा मुकुल, महासचिव (संगठन) मृणाल कान्त चौबे, पीएन पांडेय, भैरवानंद मिश्र, देवता नंद दुबे, संजय मिश्रा, दिवाकर दुबे, श्रवण कुमार झा, मृणाल मनीष पांडेय, मनीष पांडेय, रूपेश तिवारी, आर डी उपाध्याय, अमित चौबे, ए के झा, रमन ठाकुर सहित सैकड़ों की संख्या में विप्र समाज के लोग शामिल थे।

अच्छी पहल स्वरोजगार विकसित करने को लेकर बोकारो में दीक्षा केन्द्र की शुरुआत, महिलाओं-दिव्यांगों को मुफ्त मिलेगा प्रशिक्षण

युवाओं-महिलाओं को हुनरमंद और स्वावलंबी बनाएगी बीएसएल-डालमिया

संवाददाता
बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट और डालमिया भारत सीमेंट ने नाबार्ड के सहयोग से बोकारो में एक नई पहल की है। इसके तहत सेल/बीएसएल के निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) तथा डालमिया भारत फाउंडेशन ने आस-पास के परिक्षेत्र में रहने वाले युवाओं के बीच स्वरोजगार विकसित करने के उद्देश्य से दीक्षा केन्द्र की शुरुआत की है। बोकारो इस्पात नगर के सेक्टर-1 सी स्थित बोकारो इस्पात विद्यालय में स्थापित इस केन्द्र में युवाओं और महिलाओं को प्रशिक्षित कर हुनरमंद बनाया जाएगा, ताकि वे स्वरोजगार की दिशा में उन्मुख हो सकें।

सेल/बोकारो स्टील प्लांट तथा डालमिया भारत सीमेंट की एनजीओ डालमिया भारत फाउंडेशन की ओर से आयोजित एक प्रेस वार्ता में बताया गया कि आस-पास के लोगों को स्वरोजगार उपलब्ध कराना हमारा सबसे बड़ा ध्येय है। सेल/बीएसएल, डालमिया भारत फाउंडेशन तथा नाबार्ड के संयुक्त तत्वावधान में संचालित इस साझा दीक्षा केन्द्र में भारत सरकार के एनएसडीसी (नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन) द्वारा मान्यता प्राप्त पांच ट्रेड का प्रशिक्षण दिया जायेगा, जिसमें असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन, सोलर टेक्निशियन, जेनरल ड्यूटी असिस्टेंट, कस्टमर रिलेशन मैनेजर एवं सिलाई मशीन ऑपरेटर के प्रशिक्षण शामिल हैं। प्रशिक्षणार्थियों को डिजिटल लिटरेसी ट्रेनिंग भी दी जाएगी यह प्रशिक्षण अगले माह से शुरू होने जा रहा है। प्रत्येक प्रशिक्षण कोर्स में 30-30 लाभुकों का नामांकन किया जाएगा। नामांकन प्रक्रिया आगामी 15 मार्च से शुरू हो जाएगी। बोकारो जिला में रह रहे विस्थापितों को इस केन्द्र में नामांकन में प्राथमिकता दी जाएगी। नामांकन का आधार आठवीं पास उत्तीर्ण होगा तथा प्रशिक्षण शुल्क एक हजार रुपया मासिक होगा, जबकि महिलाओं एवं दिव्यांगजनों को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण की अवधि एनएसडीसी द्वारा निर्धारित अवधि अधिकतम तीन माह की होगी। बताया गया कि आसपास के लोगों में खुशहाली लाने के लिए यह एक संयुक्त प्रयास है।

पत्रकार वार्ता में बोकारो स्टील प्लांट के मुख्य महाप्रबंधक मनीष जलोटा, महाप्रबंधक सीआरके सुधांशु, प्रमुख संचार मणिकांत धान, जनसंपर्क विभाग के अमित माथुर तथा डालमिया भारत सीमेंट की ओर से महाप्रबंधक सुभाष कुमार, प्रबंधक अमित सिंह, उप महाप्रबंधक संजय बी. कुमार व प्लांट सीएसआई प्रमुख उमेश प्रसाद आदि उपस्थित थे।

बजट में बोकारो : पूरी होंगी चिर-प्रतीक्षित उम्मीदें

मेडिकल कॉलेज बनना तय

संवाददाता

बोकारो : बजट में झारखंड सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में बोकारो को दो बड़ी सौगात दी है। इनमें उच्च शिक्षा के क्षेत्र में वर्षों पुरानी मांग मेडिकल कॉलेज सबसे बड़ा तोहफा है, जबकि नेतरहाट की तर्ज पर आवासीय स्कूल खोलने की घोषणा भी की गई है। गौरतलब है कि सेल-बीएसएल ने मेडिकल कॉलेज के लिए चार साल पहले सेक्टर 12 के पास 25 एकड़ जमीन दी है। इसमें सीसीएल ने सीएसआर से मेडिकल कॉलेज बनवाने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन तकनीकी कारणों से मामला अटक गया था। अब सरकार ने बजट में इसका प्रावधान कर बोकारो वासियों को सौगात दी है। इस मामले में स्थानीय विधायक सह भाजपा के मुख्य सचेतक बिरंची नारायण ने कहा कि उन्होंने यह मामला विधानसभा में कई बार उठाया था। इस मामले को लेकर केंद्रीय इस्पात मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री से भी मिले थे। सेल से जमीन हस्तांतरित करवाने के लिए लगातार केंद्र सरकार और सेल अधिकारियों से संपर्क किया। सरकार ने घोषणा कर स्वागत योग्य कदम उठाया है।

बजट में सरकार ने नेतरहाट की तर्ज पर बोकारो, दुमका और चाईबासा में तीन आवासीय स्कूल खोलने की घोषणा की है। वहीं शिक्षा संस्थानों, तकनीकी संस्थानों और छात्रावासों का जीर्णोद्धार कराएगी। इसके लिए 385 करोड़ रुपए का बजट रखा है। इसके अलावा उच्च शिक्षा के लिए गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना व प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के लिए मुख्यमंत्री शिक्षा प्रोत्साहन योजना व एकलव्य प्रशिक्षण योजना चलाया जाएगा। इसमें करीब 3700 छात्रों को लाभ मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि बोकारो को एजुकेशन हब कहा जाता है, लेकिन यहां +2 के बाद बेहतर पढ़ाई कोई व्यवस्था नहीं है। यही कारण है कि हर साल यहां से 500 से ज्यादा बच्चे मेडिकल की पढ़ाई के लिए दक्षिण भारत के कॉलेजों में नामांकन करवाते हैं। इससे अभिभावकों का लाखों रुपए बच्चों के रहने-खाने में खर्च हो जाते हैं। बोकारो में दर्जनों कोचिंग सेंटर हैं, जहां हर साल करीब 10 हजार बच्चे मेडिकल की तैयारी करते हैं, लेकिन सीट की कमी के कारण उनका सेलेक्शन नहीं होता है और मजबूरी में वैसे बच्चे दूसरे राज्यों के प्राइवेट कॉलेजों में दाखिला लेते हैं।

सेल का बोकारो जेनरल अस्पताल देश के चुनिंदा अस्पतालों में से एक है। झारखंड अलग राज्य बनने के बाद ही बीजीएच को मेडिकल कॉलेज की तर्ज पर डेवलप करने की कवायद शुरू हुई थी, लेकिन पेचीदा नियम के कारण योजना सफल नहीं हुई। अब मेडिकल कॉलेज की घोषणा के बाद यह उम्मीद है कि बोकारो को मेडिकल कॉलेज के साथ एक अच्छा अस्पताल भी मिलेगा, जिसमें रिम्स और एम्स जैसी सुविधाएं हो सकती हैं।

संकल्प | सीटीपीएस और बीटीपीएस में मनाया जा रहा संरक्षा सप्ताह, ली शपथ

संरक्षा के प्रति आगे बढ़े डीवीसीकर्मी

संवाददाता

चंद्रपुरा : दामोदर घाटी निगम चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र में पदस्थापित डीवीसी के अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य कर्मियों ने 52वां सुरक्षा दिवस व सप्ताह अभियान के तहत शनिवार को सुरक्षा एवं स्वास्थ्य प्रतिज्ञा का संकल्प लिया। 4 मार्च से 10 मार्च तक आयोजित होने वाले 52वें संरक्षा दिवस/सप्ताह अभियान के अवसर पर मुख्य अभियंता एवं परियोजना प्रधान सुनील कुमार पांडेय ने हिंदी में और मुख्य अभियंता परिचालन देवव्रत दास ने अंग्रेजी में सभी कर्मियों को शपथ दिलाई।

कर्मियों ने सत्य निष्ठा से प्रतिज्ञा ली कि वे अपने-आप को सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के बचाव के प्रति समर्पित रहेंगे और नियमों विनियमों एवं कार्य विधियों के पालन हेतु यथाशक्ति प्रयत्न करेंगे और निश्चित रूप से इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरणादायक अभिवृत्तियों एवं आदतों का विकास करेंगे। कर्मियों ने अपने परिवार , संगठन, समाज एवं राष्ट्रहित में दुर्घटनाओं, बीमारियों की रोकथाम और पर्यावरण के बचाव के लिए हर संभव प्रयास करने की प्रतिज्ञा ली। इस अवसर पर मुख्य अभियंता पीके मिश्रा, उप मुख्य अभियंता केके सिंह, अजीत कुमार, राजीव ओझा, अधीक्षण अभियंता संजय कुमार, डॉ. परमवीर कुमार, महादेव प्रसाद ठाकुर, सुजीत कुमार, अशोक कुमार चौबे, अक्षय कुमार आदि उपस्थित थे। प्रतिज्ञा से पूर्व मुख्य अभियंता एवं परियोजना प्रधान ने नेशनल सेफ्टी डे ध्वज का ध्वजारोहण किया।

घर से संयंत्र तक संरक्षा जरूरी : एचओपी

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल डीवीसी पावर प्लांट में शनिवार को 52वां राष्ट्रीय संरक्षा जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। उद्घाटन डीवीसी के एचओपी एनके चौधरी ने ध्वजारोहण कर किया। ध्वजारोहण के पश्चात एचओपी और सीई ओएंडएम एसएन प्रसाद ने डीवीसी के अधिकारियों, कर्मचारियों, सीआईएसएफ के जवानों और सप्लाई एवं ठेका मजदूरों को संरक्षा और स्वास्थ्य के प्रति हिंदी और अंग्रेजी में बारी-बारी से शपथ दिलाई। एचओपी ने कहा कि संरक्षा के प्रति जागरूकता की आवश्यकता घर से पावर प्लांट के कार्यस्थल तक पड़ती है। उन्होने अपील की कि प्लांट में कई निर्माण कार्य चल रहे हैं। इस दौरान संरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा संरक्षा के प्रत्येक कार्यक्रम में हिस्सा लेकर उसे सफल बनाएं। कार्यक्रम का संचालन कार्यपालक (संरक्षा) उदय आर्य ने किया तथा प्रबंधक (संरक्षा) राजेश रंजन सिन्हा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मौके पर सीई एस भट्टाचार्य, डीजीएम बीजी होल्कर, उपमुख्य अभियंता शैलेश गुप्ता, एनएम मुरस्कर, आरके सिन्हा, अधीक्षण अभियंता जी लकड़ा, शैलेंद्र कुमार, आदर्श मधुप, राहुल सिंह, अखिलेंदु सिंह, शशि शेखर, जेके मुंडा, तिताबुर रहमान, संदीप भगत, अबुजर सिब्लि, अनिंद्य साहा, प्रबंधक (संरक्षा) आरआर सिन्हा, एसडीई सिविल मुजाशा अंसारी, कार्यपालक अभियंता निलेश एक्का, मनोज कुमार, सूरज तिवारी व अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। पूरे सप्ताह के दौरान निबंध लेखन,नारा लेखन, चित्रकला प्रतियोगिताओं की प्रविष्टियां संरक्षा विभाग में जमा ली जाएगीं।

हफ्ते की हलचल

श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव पर निकली निशान यात्रा

बेरमो : फुसरो बाजार स्थित द्वारका प्रसाद बंसल के आवास से श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव के 15वे वार्षिक अवसर पर भव्य निशान यात्रा निकाली गई। इसमें सैकड़ों श्रद्धालु जय श्री श्याम के जयघोष के साथ हाथो में रंग-बिरंगा निशान लेकर झूमते गाते पैदल चलकर करगली बाजार शिवनारायण मंदिर पहुंच कर श्याम बाबा को निशान अर्पित किया। यात्रा में राधाकृष्ण, राम लखन, जानकी, भगवान शंकर, मोर की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। निशान यात्रा में गायक रोमित बंसल के द्वारा सुरीले भजनों की प्रस्तुति पर भक्तजन झूमने लगे पुजारी संतोष दीक्षित ने पूजन कार्य संपन्न कराया। इसमें मातादीन अग्रवाल, अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल, वल्लभ दास राठी, कृष्ण कुमार चांडक, जुगल किशोर अग्रवाल, प्रेमराज गोयल, आनंद गोयल, उत्तम सिंह, रघुवीर प्रसाद, कृष्ण कुमार राइका, राजेश राठी, अमर चांडक, हरिकिशन अग्रवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल आदि शामिल हुए।

एजीसी : डीपीएस बोकारो के तीन विद्यार्थी मेरिट लिस्ट में

बोकारो : डीपीएस बोकारो के प्रतिभावान विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपने स्कूल और शहर का नाम गौरवान्वित किया है। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीबीएसई) की ओर से आयोजित आर्यभट्ट गणित चैलेंज 2022 में विद्यालय के तीन विद्यार्थियों ने शानदार सफलता प्राप्त की है। इनमें कक्षा 9 के छात्र आदित्य मिश्रा व कुमार अनमोल तथा 10वीं की छात्रा अग्रिमा प्रसाद के नाम शामिल हैं। इन तीनों ही बच्चों ने सीबीएसई पटना क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ 100 विद्यार्थियों की मेधाविता सूची (मेरिट लिस्ट) में अपनी जगह पक्की करने में कामयाबी पायी है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने तीनों ही सफल विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

डीपीएस चास के आयुष शीर्ष 100 मेधावियों में

बोकारो : डीपीएस चास के कुमार आयुष ने सीबीएसई द्वारा आयोजित आर्यभट्ट गणित चैलेंज के पटना क्षेत्र में टॉप 100 में स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रौशन किया है। इस परिणाम पर प्रसन्नता जाहिर करती हुई डीपीएस चास की चीफ मेंटर डॉ हेमलता एस मोहन ने सफल छात्र कुमार आयुष को उसकी सफलता पर शुभकामना देते हुए भविष्य की हर परीक्षा में सफलता प्राप्त करने की प्रेरणा दी। डीपीएस मेमोरियल सोसायटी के सचिव सुरेश अग्रवाल ने आयुष को उसकी सफलता हेतु शुभकामनाएं दीं। प्रभारी प्रधानाचार्या दीपाली भुस्कुटे ने भी कुमार आयुष की सफलता के लिए बधाई देते हुए विद्यालय के गणित शिक्षकों के मार्गदर्शन की सराहना की।

पंचवटी गृह निर्माण समिति का चुनाव सम्पन्न

बोकारो : पंचवटी सहकारी गृह निर्माण समिति, नवाडीह, चास, बोकारो की कार्यकारिणी का चुनाव सम्पन्न हुआ। इसमें बाल कृष्ण झा अध्यक्ष, कमलनाथ मिश्र (निर्विरोध) उपाध्यक्ष एवं विद्यानंद चौधरी भारी बहुमत के साथ सचिव निर्वाचित किये गये। कार्यकारिणी सदस्यों में पांच लोगों को पहले ही निर्विरोध चुना गया था, जिनमें शैलेन्द्र कुमार मिश्र, हीरा देवी. पूनम झा व के डी गुप्ता के नाम शामिल हैं। इस चुनाव में जिला प्रशासन की ओर से एक दंडाधिकारी और तीन अन्य मतदान दल के सदस्य मौजूद थे। मतदान में कुल 113 सदस्यों ने भाग लिया और भारी बहुमत से नयी कार्यकारिणी के पदाधिकारी निर्वाचित घोषित किये गये।

संगीतकार रवि की जयंती पर सजी सुरों की महफिल

बोकारो : फिल्म संगीत के मशहूर संगीतकार रवि की जयंती पर स्वरागिनी म्यूजिकल ग्रुप द्वारा सेक्टर 12 में संगीत संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गायक अरुण पाठक, रमण चौधरी व डॉ ओम प्रकाश त्रिवेदी ने संगीतकार रवि द्वारा संगीतबद्ध कुछ यादगार गीतों की सुमधुर प्रस्तुति से उन्हें याद किया। मिथिला सांस्कृतिक परिषद, बोकारो के सांस्कृतिक कार्यक्रम निर्देशक शंभु झा ने कहा कि रवि बहुत सुरीले संगीतकार थे। उन्होंने हर मूड के गीतों को कर्णप्रिय संगीत से सजाकर यादगार बना दिया। कार्यक्रम संयोजक रमण चौधरी व रागिनी सिन्हा अम्बष्ठ ने कहा कि रवि बहुत उम्दा संगीतकार थे। उनकी बनाई हुई धुनों की मिठास संगीत प्रेमियों को सदैव लुभाती रहेंगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने साधा निशाना, कहा-

राष्ट्रविरोधियों की मददगार बनी हेमंत सरकार

संवाददाता

बोकारो : राज्य की राजनीतिक परिस्थिति आज अराजकता के चौराहे पर खड़ी है। पूरे प्रदेश में जंगलराज कायम हो चुका है। सबसे ज्यादा अपराध हेमंत सरकार के तीन वर्षों में ही हुए। चाहे उग्रवाद हो, बलात्कार हो या हत्या के मामले हों, हेमंत सरकार इन सबको रोकने में पूरी तरह विफल रही है। यह कहना है झारखंड प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश का। वह स्थानीय बोकारो परिसदन में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि झारखंड में वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 5248 दुष्कर्म की घटनाएं हुईं, 4800 हत्याएं हुईं और 1,87,000 संगीन मुकदमे दर्ज हुए। झारखंड में उग्रवाद तेजी से बढ़ रहा है और विकास की शून्यता है। साढ़े तीन करोड़ जनता ने विकास की उम्मीद पूरी तरह छोड़ दी है। उन्होंने कहा कि एक तरफ जहां शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास के हर मामले में राज्य की वर्तमान सरकार पूरी तरह

विफल हो चुकी है, वहीं यह सरकार तुष्टिकरण की राजनीति को हवा दे रही है। बिजली, सड़क, शिक्षा आदि बुनियादी ढांचा चरमरा गई है। चिकित्सा के क्षेत्र में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। दूसरी ओर बांग्लादेशी घुसपैठियों के माध्यम से पूरे प्रदेश में एक-पक्षीय उन्माद फैलाया जा रहा है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री प्रकाश ने कहा कि पीएफआई सहित कई अन्य संगठन राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में संलग्न हैं। ये संगठन राज्य में धार्मिक उन्माद फैला रहे हैं और राज्य सरकार इन संगठनों को संरक्षण दे रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड स्थापना के 23 वर्षों में साढ़े 10 साल तक यूपीए की सरकार रही, लेकिन विकास के नाम पर झारखंड का इन्होंने विनाश किया। भ्रष्टाचार, शिष्टाचार में परिवर्तित हो गया है। इंजीनियर सहित कई अधिकारियों के पकड़े जाने और इनके यहां से करोड़ों रुपए की बरामदगी इस बात का जीता जागता उदाहरण है। यही कारण है कि रामगढ़ की जनता ने उप चुनाव में एक संदेश दिया है। सरकार के मुखिया का कोई लक्ष्मय नहीं है। झारखंड की जनता इस सरकार से निजात पाना चाहती है। क्योंकि, पूरे देश में 8.1 प्रतिशत की तुलना में झारखंड में बेरोजगारी दर 18.67 प्रतिशत है।

'बोकारो स्टील को लूट रही विदेशी कंपनी'

भाजपा सांसद दीपक प्रकाश ने कहा कि बोकारो देश की गौरव है, एक माइल स्टोन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य भारत को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाना है। भारत दुनिया में निर्यातक देश बने, यही उनकी परिकल्पना है। आज इस क्षेत्र में भारत ने बहुत ज्यादा प्रगति भी की है। लेकिन, बोकारो स्टील प्लांट को काली सूची में शामिल विदेशी कंपनियां आज लूट रही हैं। उन्होंने कहा कि बोकारो स्टील प्लांट में लगातार कुछ ऐसी कंपनियों को काम दिया गया, जो स्वदेशी नहीं, बल्कि विशुद्ध रूप से विदेशी कंपनियां है। जबकि, स्वदेशी कंपनियां भी उनसे अच्छा काम करने में कई जगह सफल साबित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि बिशु बीएस इंडिया लिमिटेड नामक विदेशी कम्पनी बोकारो स्टील प्लांट के एसएमएस-2 में टोटल टेंडिस मैनेजमेंट का काम करती है। सेल के विशाखापत्तनम प्लांट में भी यह कंपनी टेंडिस मैनेजमेंट का काम कर रही है। लेकिन, विशाखापट्टनम में इसके साथ और भी कई कंपनियां यह काम कर रही हैं, इसके चलते वहां इसका रेट काफी कम है। जबकि, बोकारो स्टील प्लांट में सिर्फ इकलौती कंपनी होने के कारण यह सबसे ज्यादा दर लेकर भारत सरकार की संपत्ति को लूट रही है। प्रतिवर्ष यह कंपनी बोकारो स्टील प्लांट को 34 से 35 करोड़ का नुकसान पहुंचा रही है।

सीबीआई जांच की मांग – श्री प्रकाश ने कहा कि 'बीएस इंडिया लिमिटेड' और 'ईडीडब्लूए रॉक्स' नामक कम्पनी सेल के राउरकेला स्टील प्लांट में भ्रष्टाचार के मामले में ब्लैक लिस्टेड हो चुकी है, जिसे सीबीआई ने पकड़ा है। इसके खिलाफ कार्रवाई चल रही है। फिर आखिर इसी विदेशी कंपनी को बोकारो स्टील प्लांट को लूटने का अधिकार किसने और क्यों दिया? यह जांच का विषय है। उन्होंने कहा कि इस मामले में उन्होंने पीएमओ और सीबीआई को भी लिखा है। सांसद श्री प्रकाश ने बोकारो स्टील प्रबंधन से इस पर ध्यान देने की बात कही। पत्रकार वार्ता में उनके साथ बोकारो के विधायक और झारखंड विधानसभा में विरोधी दल के मुख्य सचेतक बिरंची नारायण, भाजपा के बोकारो जिला अध्यक्ष भरत यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष रोहित लाल सिंह व अंबिका खवास, महामंत्री जयदेव राय सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चिकित्सा के क्षेत्र में झारखंड के डॉ. हाजरा को 'भारत विभूषण' अवार्ड

उपलब्धि... बगैर सर्जरी स्पाइन-समस्याओं से दिला रहे निजात

संवाददाता

रांची : चिकित्सा व आयुष के क्षेत्र में देश के प्रख्यात एक्यूपंक्चर व स्पाइन चिकित्सक डॉ. राजेंद्र कुमार हाजरा अब भारत के विभूषण बन चुके हैं। नेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स (भारत) की ओर से उन्हें सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत विभूषण' अवार्ड प्रदान किया गया है। इसे लेकर बोकारो सहित पूरे राज्य के आयुष चिकित्सकों ने उन्हें बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि डॉ. हाजरा स्पाइन चिकित्सा के क्षेत्र में पूरे विश्व में जाने जाते हैं। बिना सर्जरी के स्पाइन की गंभीर से गंभीर बीमारियों की चिकित्सा के लिए डॉ. हाजरा का नाम आज झारखंड के लिए गौरव बन चुका है। वह 450 से भी अधिक बार राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किये जा चुके हैं। नेशनल बुक ऑफ रिकॉड्र्स द्वारा दिया जाने वाला यह सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत विभूषण' झारखंड में पहली बार किसी को मिला है।

इसके पूर्व, हाल ही में डॉ. हाजरा का नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी शामिल हुआ था। उन्हें 'बेस्ट वर्ल्ड क्लास एक्यूपंक्चर स्पाइन स्पेशलिस्ट आफ द ईयर 2022' का खिताब गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की ओर से प्रदान किया गया था। डॉ. हाजरा कई बड़ी सम्मानित संस्थाओं में उच्च पदों पर भी अपनी योग्यता का लोहा मनवा चुके हैं, जहां इनकी सेवाएं निःशुल्क रही हैं। कई वर्षों तक डॉ. हाजरा भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी, पश्चिम बंगाल राज्य के उपाध्यक्ष भी रहे हैं।

वर्तमान में आज भी भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी (भारत) के संरक्षक हैं। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने अपने हाथों से हस्ताक्षर कर उन्हें इस पद पर रखा था। डॉ. हाजरा कैंपेन अगेंस्ट डेथ पेनेल्टी की भारतीय समिति के सदस्य भी हैं। 2001 में उन्हें तत्कालीन झारखण्ड विधानसभा अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी, कानून मंत्री झारखंड रामजी लाल सारडा और केन्द्रीय कोयला मंत्री कड़िया मुंडा ने संयुक्त रूप से 'झारखण्ड रत्न' सम्मान से विभूषित किया था। मदर टेरेसा के साथ लगभग सात वर्षों से भी ज्यादा समय तक कृपा फाउंडेशन मुम्बई, कोलकाता जैसे महानगरों में ड्रग एडिक्ट और अल्कोलिक्स के लिए भी इन्होंने कार्य किया। नशा-विमुक्ति तथा कुष्ठरोगियों की सेवा के क्षेत्र में उनके कार्य अनुकरणीय रहे हैं। समाजसेवा के लिए उन्होंने अपना घर तक बेच दिया और रांची में किराए के मकान में रहकर आज भी पूरे उत्साह और जोश के साथ सेवारत हैं। अब तक चार बार उन्हें मानद पीएचडी की उपाधि से इन्हें विश्व प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों ने प्रदान कर सम्मानित किया है।

डॉ. हाजरा ने इस उपलब्धि का श्रेय उन्होंने अपने परमपूज्य सद्गुरुदेव डॉ. नारायण दत्त श्रीमाली, अपने माता-पिता और मरीजों के साथ-साथ सभी मित्रों के सहयोग को दिया है। डॉ. हाजरा विश्व के एक्यूपंक्चर साइंस के ऐसे पहले चिकित्सक हैं, जो इस पद्धति से एकमात्र स्पाइन से संबंधित रोगों की चिकित्सा करते हैं। देश-विदेश के चिकित्सक इनसे एक्यूपंक्चर साइंस की प्रशिक्षण लेने आते हैं। साथ ही डॉ. हाजरा, महात्मा गांधी ग्लोबल पीस यूनिवर्सिटी के मानद व्याख्याता भी हैं।

डीवीसी को मिला सीबीआईपी पुरस्कार

'बेस्ट परफॉर्मिंग थर्मल पावर सेक्टर' के लिए केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने नवाजा

संवाददाता

बोकारो थर्मल : पब्लिक सेक्टर की कंपनी डीवीसी को वर्ष 2022 के सीबीआइपी (सेंट्रल बोर्ड ऑफ इरिगेशन एंड पावर) पुरस्कार से 4 मार्च को नई दिल्ली में नवाजा गया। भारत सरकार के केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने नई दिल्ली में आयोजित सीबीआईपी पुरस्कार समारोह में डीवीसी को 'बेस्ट परफॉर्मिंग थर्मल पावर सेक्टर' के लिए प्रतिष्ठित सीबीआईपी पुरस्कार 2022 प्रदान किया।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री के हाथों से यह पुरस्कार डीवीसी के अध्यक्ष राम नरेश सिंह और सदस्य तकनीकी एम रघुराम ने ग्रहण किया। डीवीसी को उक्त पुरस्कार मिलने से सभी प्रोजेक्टों के एचओपी, अधिकारियों, इंजीनियरों, कामगारों एवं मजदूरों में हर्ष व्याप्त है।

फॉर्म- IV

स्वामित्व संबंधी घोषणा

समाचार पत्र पंजीयन (केन्द्रीय) नियम, 1956 के अन्तर्गत नियम 8 के अनुसार 'मिथिला वर्णन' के स्वामित्व व अन्य विशिष्टियों का विवरण :-

1. प्रकाशन का स्थान	:	बोकारो स्टील सिटी
2. प्रकाशन की अवधि	:	साप्ताहिक
3. मुद्रक का नाम	:	विजय कुमार झा
राष्ट्रीयता	:	भारतीय
पता	:	सेक्टर-3 बी, क्वार्टर नं.- 94, बोकारो स्टील सिटी- 827003
4. प्रकाशक का नाम	:	विजय कुमार झा
राष्ट्रीयता	:	भारतीय
पता	:	सेक्टर-3 बी, क्वार्टर नं.- 94 बोकारो स्टील सिटी- 827003
5. सम्पादक का नाम	:	विजय कुमार झा
राष्ट्रीयता	:	भारतीय
पता	:	सेक्टर-3 बी, क्वार्टर नं.- 94 बोकारो स्टील सिटी- 827003

6. उन व्यक्तियों के नाम व पते, जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत के साझेदार या हिस्सेदार हों :
: विजय कुमार झा
सेक्टर-3 बी, क्वार्टर नं.- 94
बोकारो स्टील सिटी- 827003

मैं, विजय कुमार झा एतद् द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी व विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य हैं।

दिनांक : 05 मार्च 2023

हस्ताक्षर
(विजय कुमार झा)
प्रकाशक

होली- सम्मिलन, मित्रता व एकता का पर्व

- गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

वसन्त से प्रकृति में आनन्दोत्सव, शिवरात्रि से जीवन मे शिव और शक्ति का मिलन-रसोत्सव और होली से आनन्द पर्व रंगोत्सव का चरम उल्लास, जिसे वैदिक काल से सम्पन्न किया जाता रहा है। वसन्त पंचमी आते ही प्रकृति में एक नवीन परिवर्तन आने लगता है। दिन बड़े और रातें छोटी होने लग जाती हैं। जाड़ा कम लगता है, उधर पतझड़ शुरू हो जाता है। माघ की पूर्णिमा पर होली का झंडा रोप दिया जाता है। आम्र मंजरियों पर भ्रमरावलियां मंडराने लगती हैं। वृक्षों में कहीं-कहीं नवीन पत्तों के दर्शन होने लगते हैं। प्रकृति में एक नई मादकता का अनुभव होने लगता है। इस प्रकार होली पर्व के आते ही एक नवीन रौनक, नवीन उत्साह और उमंग की लहरें दिखाई देने लगती हैं।

नवान्नेष्टि यज्ञ पर्व होली

होली जहां एक और एक सामाजिक एवं धार्मिक त्यौहार है, वहीं यह रंगों का त्योहार भी है। आबालवृद्ध, नर-नारी सभी इसे बड़े ही उत्साह से मनाते हैं। यह एक देशव्यापी त्यौहार भी है। इसमें वर्ण अथवा जाति भेद का कोई स्थान नहीं है। इस पर्व को नवान्नेष्टि यज्ञ पर्व भी कहा जाता है। खेत से नवीन अन्न को यज्ञ में हवन कर-के प्रसाद लेने की परंपरा भी है। उसे होला कहते हैं। इसी से इसका नाम होली का उत्सव पड़ा। होली का उत्सव मनाने के संबंध में अनेक मत प्रचलित हैं। यहां कुछ प्रमुख मतों का उल्लेख किया जा रहा है:-

1. ऐसी मान्यता है कि इस पर्व का संबंध काम दहन से है। भगवान शंकर ने अपनी क्रोधाग्नि से कामदेव को भस्म कर दिया था, तभी से इस त्यौहार का प्रचलन हुआ।
2. फागुन शुक्ल अष्टमी से पूर्णिमा पर्यंत आठ दिन होलाष्टक मनाया जाता है। भारत के कई प्रदेशों में होलाष्टक शुरू होने पर एक पेड़ की शाखा काटकर उसमें रंग-बिरंगे कपड़ों के टुकड़े बांधते हैं। इस शाखा को जमीन में गाड़ दिया जाता है। सभी लोग इसके नीचे होलिकोत्सव मनाते हैं।
3. यह त्यौहार हिरण्यकश्यप की बहन की स्मृति में भी मनाया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि हिरण्यकश्यप की बहन होलिका वरदान के प्रभाव से नित्य प्रति अग्नि स्नान करती और जलती नहीं थी। हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन से प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि स्नान करने को कहा। उसने समझा था कि ऐसा करने से प्रह्लाद जल जाएगा और होलिका बच निकलेगी। हिरणकश्यप की बहन ने ऐसा ही किया, लेकिन भगवान विष्णु के वरदान स्वरुप होलिका जल गई, किंतु प्रह्लाद जीवित बच गए। तभी से इस त्यौहार को मनाने की प्रथा चल पड़ी।
4. जो लोग फाल्गुन पूर्णिमा के दिन एकाग्र चित्त से हिंडोले में झूलते हुए श्री गोविंद पुरुषोत्तम के भजन, जप करते हैं, उन्हें कल्याणकारी जीवन प्राप्त होता है।
5. भविष्य पुराण में कहा गया है कि एक बार नारद जी ने महाराज युधिष्ठिर से कहा- राजन फाल्गुन की पूर्णिमा के दिन सब लोगों को अभय दान देना चाहिए, जिससे संपूर्ण प्रजा उल्लास पूर्वक हंसे। बालक गांव के बाहर से लकड़ी-कंडे लाकर ढ़ेर लगाएं। होलिका का पूर्ण सामग्री सहित विधिवत पूजन करें, होलिका दहन करें। ऐसा करने से सारे अनिष्ट दूर हो जाते हैं।

वैदिक शास्त्रों में होली

हास्य-परिहास, व्यंग्य-विनोद, मौज-मस्ती और सामाजिक मेल-जोल का प्रतीक लोकप्रिय पर्व होली अथवा होलिका वास्तव में एक वैदिक यज्ञ है, जिसका मूल स्वरूप आज विस्मृत हो गया है। होली के आयोजन के समय समाज में प्रचलित हंसी-ठिठोली, गायन-वादन, चांचर (हुड़दंग) और अबीर इत्यादि के उद्भव और विकास को समझने के लिए हमें उस वैदिक सोमयज्ञ के स्वरूप को समझना पड़ेगा, जिसका अनुष्ठान इस महापर्व के मूल में निहित है।

'महाव्रत' के अनुष्ठान के दिन वर्ष भर यज्ञानुष्ठान में व्यस्त श्रान्त-क्लान्त ऋषिगण अपना मनोविनोद करते थे। इस दिन यज्ञानुष्ठान के साथ कुछ ऐसे आमोद-प्रमोद पूर्ण कृत्य भी किए जाते थे, जिनका प्रयोजन आनंद और उल्लासमय वातावरण की सृष्टि करना है। होलिकोत्सव इसी महाव्रत की परंपरा का संवाहक है। होली में जलायी जाने वाली आग यज्ञ वेदी में निहित अग्नि का प्रतीक है। वैदिक युग में इस यज्ञ वेदी के समीप एक उदुम्बर वृक्ष (गूलर) की टहनी गाड़ी जाती थी, क्योंकि गूलर का फल माधुर्य गुण की दृष्टि से सर्वोपरि माना जाता है।

'हरिश्चन्द्रोपाख्यान' में कहा गया है कि जो निरन्तर चलता रहता है, कर्म में निरत रहता है, उसे गूलर के स्वादिष्ट फल खाने के लिए मिलते हैं। गूलर का फल इतना मीठा होता है कि पकते ही उसमें कीड़े पड़ने लगते हैं। उदुम्बर वृक्ष की यह टहनी सामगान की मधुरता की प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति करती थी। उसके नीचे वेदपाठी अपनी-अपनी शाखा के मंत्रों का पाठ करते थे।

होली पर हंसी-ठिठोली

होली में दिखने वाली हंसी-ठिठोली का मूल 'अभिगर-अपगर संवाद' में निहित है। भाष्यकारों के अनुसार 'अभिगर' ब्राह्मण का वाचक है और 'अपगर' शूद्र का। ये दोनों एक-दूसरे पर आक्षेप-प्रत्याक्षेप करते हुए हास-परिहास करते थे। इसी क्रम में विभिन्न प्रकार की बोलियां बोलते थे। विशेष रूप से ग्राम्य बोलियां बोलने का प्रदर्शन किया जाता था। *'सव्वां त्वाचो वदन्ति संस्कृताश्च' (ताण्ड्य ब्राह्मण 5/5/20)।*

महाव्रत के विधान वर्ष भर की एकरसता को दूर कर यज्ञानुष्ठान साधकों को स्वस्थ मनोरंजन का वातावरण प्रदान करते थे। यज्ञों की योजना ऋषियों ने मानव-जीवन के समानांतर की है, जिसके हास-परिहास अभिन्न अंग हैं।

अवश्य बनाएं पकवान

महाव्रत के दिन घर-घर में विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट पकवान बनाए जाते थे। घर में जब कोई उस दिन पकवानों को बनाए जाने का कारण पूछता था, तब उत्तर दिया जाता था कि यज्ञ अनुष्ठान करने वाले इन्हें खाएंगे। प्रारंभ में उत्सवों और पर्वों का आरंभ अत्यंत लघु बिंदु से होता है, जिसमें निरंतर विकास होता रहता है। सामाजिक आवश्यकताएं इनके विकास में विशेष भूमिका निभाती हैं। यही कारण है कि होली पर्व, जो मूलतः एक वैदिक सोमयज्ञ के अनुष्ठान से आरंभ हुआ, आगे चलकर परम भागवत प्रह्लाद और उसकी बुआ होलिका के आख्यान से भी जुड़ गया। गवामयन के अंतर्गत महाव्रत के इस परिवर्द्धित और उपबृंहित पर्व-संस्करण में 'नव शस्येष्टि' (नई फसल के अनाज का सेवन करने के लिए किया गया यज्ञानुष्ठान) तथा मदनोत्सव अथवा वसंतोत्सव का समावेश भी इसी क्रम में आगे हो गया।

काम ही प्रकृति है

मानव जीवन में धर्म, अर्थ, मोक्ष के साथ काम भी एक पुरुषार्थ के रूप में प्रतिष्ठित है। 'कामस्तदग्रे समवर्तताधि' कहकर वेदों ने भी स्वीकार किया है। नृत्य-संगीत प्रभृति समस्त कलाएं, हास-परिहास, व्यंग्य-विनोद तथा आनंद और उल्लास इसी तृतीय पुरुषार्थ के नानाविध अंग हैं। होलिकोत्सव रूप में हिन्दू समाज में मनोरंजन को जीवन में स्थान देने के लिए तृतीय पुरुषार्थ के स्वस्थ और लोकोपयोगी स्वरूप को धर्माधिष्ठित मान्यता प्रदान की है। होली एक आनंदोल्लास का पर्व है। इसमें जहां एक ओर उत्साह-उमंग की लहरें हैं, तो वहीं दूसरी ओर कुछ बुराइयां भी आ गई हैं। कुछ लोग इस अवसर पर अबीर-गुलाल के स्थान पर कीचड़-गोबर, मिट्टी आदि भी फेंकते हैं। ऐसा करने से मित्रता के स्थान पर शत्रुता का जन्म होता है। अश्लील एवं गंदे हंसी-मजाक एक-दूसरे के हृदय को चोट पहुंचाते हैं। अतः इन सब का त्याग करना चाहिए। होली सम्मिलन, मित्रता एवं एकता का पर्व है। इस दिन द्वेषभाव भूलकर सबसे प्रेम और भाईचारे से मिलना चाहिए। एकता, सद्भावना एवं उल्लास का परिचय देना चाहिए। यही इस पर्व का मूल उद्देश्य एवं संदेश है।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

विश्व का सबसे सुंदर त्योहार है होली

बी. कृष्णा नारायण

होली भारत ही नहीं, बल्कि विश्व का सबसे सुंदर त्योहार है। इसे विश्व के अन्य देशों में भी मनाया जाता है। यह त्योहार किसी देवता से नहीं, बल्कि लोगों से जुड़ा है। लोक से जुड़ा है। एक ऐसा त्योहार है, जिसमें हम लोक में देवत्व की स्थापना करते हैं। हमको किसी और लोक के देव की जरूरत नहीं है। यहां इसी लोक में, भू-लोक पर जितने भी व्यक्ति हैं, उन सबके बीच देवत्व की खोज और स्थापना का उत्साह है होली। ऊंच-नीच, बड़े छोटे का भेद मिटाने के त्योहार है होली। यहां रिश्तों को वर्जनाएं भी टूटती है। रिश्तों की वर्जनाएं तो टूटती हैं, किन्तु मर्यादा नहीं टूटता, अनुशासन नहीं छूटता। अश्लीलता नहीं आती।

जानिए... होली की परंपराएं और इससे संबंधित कथाएं

होली एक ऐसा त्यौहार, जिसे आज हम एक दिन का मनाते हैं, परंतु पूर्व में यह त्योहार पूरे एक महीने मनाया जाता था। वसंत पंचमी से इसकी शुरुआत होती थी, जिसे वसंतोत्सव, मदनोत्सव, इंद्रोत्सव, कामोत्सव आदि नामों से भी जाना जाता था। होली से आठ दिन पूर्व होलाष्टक आरम्भ हो जाता है। एक दिन पूर्व होलिका दहन जिसे कहीं-कहीं अगजा भी कहा जाता है, मनाया जाता है।

बरसाने की लट्ठमार होली, मथुरा की होली, बिहार की चैता, उत्तर-प्रदेश का फाग, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, बिहार, असम, बंगाल सहित अनेक प्रसिद्ध स्थानों की होली का तो कहना ही क्या।

हिरण्यकश्यप और प्रह्लाद की कहानी

असुर हरिण्यकश्यपु के घर में प्रह्लाद जैसा विष्णु भक्त पैदा हुआ। एक घर के अंदर दो विपरीत प्रकृति और प्रवृति के लोग इकट्ठे हो जाएं तो परेशानी तो पैदा होगी ही, सो यहां भी परेशानी पैदा हुई। हिरण्यकश्यपु अपने बेटे की वजह से असहज रहने लगा। स्वयं के बेटे को मारने के लिए अपनी बहन को तैयार किया। होलिका को यह वरदान था कि अग्नि उसे जला नहीं सकती। होलिका अपनी गोद में प्रह्लाद को लेकर अग्नि में बैठी, पर यह क्या? होलिका जल गयी, प्रह्लाद बच गया। यह कैसे हुआ? प्रह्लाद को यह सिद्धि थी कि न तो अग्नि उसे जला सकती है, न तो उसे जल में डुबोया जा सकता था, न ही किसी अस्त्र शस्त्र का उसके ऊपर कोई प्रभाव हो सकता था। कहने का तात्पर्य यह की आत्मा का गुण उसके शरीर पर व्याप्त हो गया था। एक बालक भी अपनी सत्य, भक्ति, निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण भाव से वह हासिल कर सकता है। होलिका के पास भी यह सिद्धि थी, फिर वह क्यों जल गयी? क्योंकि उसके पास सत्य का भाव नहीं था। वह मोह और लोभ से ग्रसित थी।

शिव और कामदेव- शिव द्वारा कामदेव को भस्म कर दिए जाने के बाद व्यथित रति जाती है शिव के पास और पति बिना जीवन किस प्रकार जिए यह पूछती है। शिव कहते हैं कि अब तुम्हारा पति सूक्ष्म रूप में मनोज होकर हर व्यक्ति के हृदय में वास करेगा।

यहां दूसरा जीवनोपयोगी सूत्र हमें मिलता है हमें कि काम जो है वह स्थूल नहीं है, वह अनुभूत करने की चीज है। जिस क्षण आपने प्रेम की अनुभूति कर ली, उसी क्षण से जीवन आपका रागमय, रसमय और रंगमय हो जायेगा और वह क्षण होली हो जायेगा।

शिव विवाह- शिवरात्रि के दिन शिव जी का विवाह होता है। रंग एकादशी को शिव जी पार्वती को गौना कराकर लाते हैं और अपने दाम्पत्य की शुरुआत होली खेलकर करते हैं। रंगमय और रसमय दाम्पत्य की शुरुआत होती है।

पार्वती के साथ घर में होली, परंतु अपने गणों के साथ महाश्मशान में होलो खेलते हैं।

श्मशान में कोई होली खेलता है क्या? जीवन समाप्ति का कोई उत्सव मनाता है क्या?

होली विश्व को बहुत मूल्यवान दर्शन देता है। हम मृत्यु से भयभीत होते हैं। शिव यहां सूत्र पकड़ाते हैं कि जीवन नहीं समाप्त हुआ है। इसकी यात्रा तो अनवरत जारी है, सिर्फ शरीर का नाश हुआ है। भगवद्गीता में भगवान कृष्ण कहते हैं- देहान्तर हुआ है। आत्मा की यात्रा तो जारी ही है। जिस क्षण जीवन का यह सूत्र हमें पकड़ में आ गया, वह क्षण उत्सव का क्षण है। जीवन को हर्ष और उल्लास के रंग से सराबोर करने का क्षण है।

होली का समय, साल के बीतने और नए साल के आने का समय होता है। वसंत से शरद तक खेती किसानी के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण समय माना जाता है।

ऋग्वेद में होली को नवान्नेष्टि कहा गया है। हवन कुंड में अधपके फसल की आहुति देकर उसका प्रसाद लोगों के बीच में बांटा जाता है।

(लेखिका वरिष्ठ ज्योतिषविद् हैं।)

जानिए... स्वास्थ्य की दृष्टि से होली की महत्ता

होली में भांग का सेवन –
अथर्ववेद में भांग को -प्रसन्नता देनेवाली और मुक्ति प्रदान करनेवाली बूटी बताया गया है। यह कहा गया है कि इसकी पत्तियों में देवताओं का वास होता है। यह सात्विक होता है। मेरी जिज्ञासा और बढ़ी की जिसको पीकर लोग नशे में धुत्त हो जाएं वह सात्विक कैसे होगा? खोज से यह पता चला की भांग की पत्तियों मे माइक्रोन्यूट्रिएंट्स प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। मैगनीज, पोटैशियम के अलावा मैक्रोन्यूट्रिएंट्स भी कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन के रूप में होते हैं। शुश्रुत संहिता के अनुसार, भांग एक रक्त-शोधक है। समुचित मात्रा में इसके सेवन से शरीर में कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रहता है। शुश्रुत संहिता में इसे जुकाम, बुखार, डायरिया के इलाज के लिए भी उपयोगी औषधि बताया गया है।

होली में भांग के साथ साथ कुछ अन्य भोज्य पदार्थों का सेवन भी भरपूर होता है। दही वडा, इमली की चटनी, मालपुआ, खीर, पूरी, सब्जी आदि।

आयुर्वेद के अनुसार यदि हमारे भोजन में षडरस की उपस्थिति है तो हमें किसी भी डॉक्टर के पास जाने की जरूरत नहीं होगी। होली में भोजन के रूप में इन छहों रसों को शामिल कर लिया गया है।

आरोग्य और स्वास्थ्य का मंत्र देने वाला त्योहार है होली

ऋतु परिवर्तन का समय है होली। शरीर में ताप की वृद्धि होती है। शरीर के ताप को नियंत्रित करने के लिए आज्ञा चक्र के पास चंदन का टीका लगाएं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि हमें आरोग्य और स्वास्थ्य की जानकारी किसी विश्वविद्यालय में जाकर नहीं लेनी पड़ रही, बल्कि बड़ी ही सहजता से लोक के माध्यम से हमें बता दिया गया है।

'संगच्छध्वं संवदध्वं, सं वो मनांसि जानताम्' यानी एक दूसरे के मन को समझते हुए सब साथ चलें। सब साथ विचार करें।

होली के पीछे के दर्शन को समझते हुए खूब रंग खेलिए।

बिहारी कह गए हैं- 'तंत्री नाद कवित्त रस सरस राग रति रंग, अनबूडे बूडे, तिरे ज्यों बूडे सब अंग।' हर तनाव से मुक्त होकर रंग और रस में डूब जाइए।

पुपरी में श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव की रही धूम

पुपरी : श्री श्याम मित्र मंडल, पुपरी द्वारा प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी 'श्रीश्याम फाल्गुन महोत्सव' का भव्य दो दिवसीय आयोजन श्री पंचेश्वरनाथ महादेव मंदिर में किया गया। इस अवसर पर बाबा श्री श्याम का अखंड मंगल पाठ कोलकाता से आयी वाचक निशा सोनी द्वारा करवाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुषों द्वारा मंगल पाठ के माध्यम से श्रीश्याम महाप्रभु के महिमा का गुणगान किया गया। इसी क्रम में शनिवार को श्री श्याम निशान यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। निशान यात्रा स्थानीय श्री जालान मंदिर से प्रारंभ होकर शहर का भ्रमण कर श्री पंचेश्वरनाथ महादेव मंदिर में तक पहुंची। इस आकर्षक यात्रा में बड़ी तादात में पुरुषों, महिलाओं और बच्चों ने भाग लिया।

राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित हुई मुजफ्फरपुर की बबीता

मिथिला डायरी

मुजफ्फरपुर : मुजफ्फरपुर के सीहो गांव की बबीता गुप्ता ने भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों पुरस्कार पाकर मिथिला क्षेत्र और पूरे बिहार प्रदेश का मान बढ़ाया है। दिल्ली में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन की श्रेणी में बबीता को 'स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान -2023' प्रदान किया।

मातृभाषा के प्रति योगदान को ले सम्मानित हुई डॉ. सविता

विशेष संवाददाता

बेंगलूरू : बेंगलुरु के सीएस आई आर-एनएएन एवं 35 सीएसआईआर-4 पीआई में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन बड़े धूमधाम से मनाया गया। इसमें छह क्षेत्रीय भाषाविदों को उनकी मातृभाषा के प्रति योगदान पर कन्नड़ की पारंपरिक रीति के अनुसार शॉल, माला, पगड़ी शील्ड एवं नगद 5000 रुपए के साथ सम्मानित किया गया। हिंदी में पटना की डॉ. सविता मिश्रा मागधी. कन्नड़ में डॉक्टर दुंदीराज, तमिल में प्रो. गगनसंबंधन, मलयालम में श्री सुधाकरन रामलिंगेश्वर, तेलुगु में दो लोगों को सम्मान मिला डॉ.जौनावितुला रामालिंगश्वरा राव एवं कब्बीनले वसंत भारद्वाज। इस अवसर पर इंटरनेशनल मदर लैंग्वेज की पुस्तक का विमोचन सीएसईआर-एनएएल के डायरेक्टर अभय ए पाशिलकर ने किया।

इस अवसर पर सीएसआईआर-4 पीआई की निदेशिका श्रीदेव जड़े, मातृभाषा दिवस आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ.मंजूनाथ सी, विभिन्न भाषा क्षेत्र के विशेषज्ञों ने उद्घाटन समारोह में उपस्थित रहे। मलयालम सांस्कृतिक संघ के अध्यक्ष श्रीशिजो के फ्रांसीसी तमू सांस्कृतिक संघ के अध्यक्ष डॉ. उदय कुमार, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी श्रीमती जयश्री पी जी, तेलुगु सांस्कृतिक संघ के अध्यक्ष डॉ. रामचंद्र राव उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन सविता के. ने किया।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा दामिनी प्रिन्टर्स, जेब्री.- 12, सिटी सेन्टर, सेक्टर-4, बोकारो से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)

जी- 20 सम्मेलन : भारत का बढ़ता दबदबा, दुनिया बोल रही - थैंक्यू इंडिया

रांची में सतत ऊर्जा को लेकर देश-विदेश के प्रतिनिधियों ने किया मंथन

विशेष संवाददाता

रांची : अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के प्रमुख मंच ग्रुप ऑफ ट्वेंटी (जी-20) की अध्यक्षता भारत की वैश्विक ताकत में उत्प्रेरक की भूमिका निभा रही है। 'वसुधैव कुटुम्बकम' यानी समस्त धरा, एक परिवार की थीम पर जिस प्रकार भारत के विभिन्न हिस्सों में जी-20 की अलग-अलग बैठकों का सफल दौर जारी है, वह अपने देश की गरिमा में लगातार चार चांद लगा रहा है। जाहिर तौर पर इससे पूरी दुनिया में भारत का दबदबा बढ़ता जा रहा है और हिन्दुस्तान विश्व मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभरकर सामने रहा है। दुनिया भर के प्रतिनिधि बैठकों में शामिल होकर जहां निर्धारित विषयों पर चर्चा कर रहे हैं, वहीं भारतीय संस्कृति के विभिन्न आयामों से भी रू-ब-रू हो रहे हैं। इसी कड़ी में झारखंड की राजधानी रांची ने भी सतत ऊर्जा से संबंधित जी-20 की बैठक की मेजबानी की और सभी विदेशी प्रतिनिधि संतुष्ट होकर लौटे। भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत सतत ऊर्जा के लिए सामग्री पर अनुसंधान और नवाचार पहल सभा (आरआईआईजी) का दोदिवसीय सम्मेलन रांची में हुआ। झारखंड की धरती पर आगमन के साथ रांची एयरपोर्ट पर कोरिया, सिंगापुर, जर्मनी, सऊदी अरब, इंग्लैंड, फ्रांस, तुर्की, यूएई, दक्षिण अफ्रीका और इंडोनेशिया से पधारे डेलिगेट्स के साथ, इंटरनेशनल सोलर एलायंस से सबा कलाम के प्रो. पद्मश्री डॉ. अशोक झुनझुनवाला, नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके सारस्वत सहित विभिन्न वैज्ञानिक संस्थाओं के शीर्ष पदाधिकारियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

सम्मेलन में 16 जी20 सदस्यों, आमंत्रित अतिथि देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के 21 विदेशी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। लगभग 40 भारतीय विशेषज्ञों ने भाग लिया। सम्मेलन का समन्वय वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), नई दिल्ली द्वारा किया गया। डॉ. श्रीवरी चंद्रशेखर, सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), आरआईआईजी अध्यक्ष ने जी20 प्रतिनिधियों और विशेष आमंत्रितों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत सहित कई जी20 देशों के पास विशाल खनिज और सामग्री संपदा है, जिसका हमारी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए निरंतर उपयोग करने की आवश्यकता है। अन्य जी20 देशों जैसे इंडोनेशिया और ब्राजील के जी20 प्रतिनिधियों ने भी अपनी प्रारंभिक टिप्पणियों में सम्मेलन के महत्व को दोहराया।

प्रतिनिधियों और आमंत्रितों का स्वागत करते हुए, डीएसआईआर के सचिव और सीएसआईआर के महानिदेशक डॉ. कलईसेल्वी ने कहा कि भारत की अध्यक्षता के तहत जी20 की थीम 'वसुधैव कुटुम्बकम' या 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' एक तरह से आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। पूरी दुनिया को एक साथ आने और स्थायी ऊर्जा पर ध्यान केंद्रित करने के लिए ताकि शुद्ध शून्य उत्सर्जन के साथ हमारा एक वैश्विक भविष्य हो सके। उन्होंने जी20 देशों से टिकाऊ ऊर्जा भंडारण, वितरण और प्रबंधन के क्षेत्रों में अनुसंधान और तकनीकी समाधान विकसित करने के लिए हाथ मिलाने का आह्वान किया।

तीन सत्रों के तहत 'सतत ऊर्जा के लिए सामग्री' के विभिन्न पहलुओं - ऊर्जा सामग्री और उपकरणों से संबंधित 21वीं सदी की चुनौतियां, सौर ऊर्जा उपयोग एवं फोटोवोल्टिक प्रौद्योगिकी और हरित के लिए सामग्री और प्रक्रियाएं ऊर्जा पर चर्चा की गई। प्रतिनिधियों ने चर्चा की और पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता के लिए कार्बन उत्सर्जन नेट-शून्य लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सामूहिक रूप से ऊर्जा सामग्री चुनौतियों को हल करने पर संयुक्त रूप से काम करने पर सहमति व्यक्त की। रांची में 'सतत ऊर्जा के लिए सामग्री' विषय पर इस सम्मेलन के बाद, तीन और आरआईआईजी कार्यक्रम डिब्रूगढ़ (असम), धर्मशाला (एचपी) और दीव में 'सर्कुलर-जैव-अर्थव्यवस्था', 'ऊर्जा संक्रमण के लिए पर्यावरण-नवाचार' विषयों पर आयोजित किए जाएंगे तथा 'सस्टेनेबल ब्लू इकोनॉमी हासिल करने की दिशा में वैज्ञानिक चुनौतियां और अवसर' क्रमशः पर चर्चा होगी।

सीबीसी-पीआईबी के सनबोर्ड पर उकेरी भावनाएं- मेजबानी को बताया अविस्मरणीय

जी-20 रांची में आए विदेशी अतिथियों ने अपनी भावनाएं केन्द्रीय संचार ब्यूरो/प्रेस इंफार्मेशन ब्यूरो के सन-बोर्ड पर उकेरी। रक्षा मंत्री, भारत सरकार के वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. जी. सतीश रेड्डी, रांची एसएसपी किशोर कौशल एवं भारतीय विदेश सेवा से रांची की पहली क्षेत्रीय पासपोर्ट पदाधिकारी मनिता आदि ने भी हस्ताक्षर किए। जी-20 साइंस व तकनीक रांची बैठक में आए हुए डेलिगेट्स के लिखित यादों को सहेज कर रखने के लिए केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी), रांची ने अपर महानिदेशक पीआईबी अखिल कुमार मिश्रा के निर्देशन में विशेष तौर से तैयार किए गए सन-बोर्ड स्टैंड पर अतिथियों के द्वारा उनके भावनाओं को संग्रहित किया गया। ब्राजील से आए डेलीगेट् डॉ. फिलेपी सिल्वा ने लिखा - भारत बहुत धन्यवाद, झारखंड के अतिथि-सत्कार से मैं गदगद हूं। सऊदी अरबिया से जी-20 रांची बैठक में शामिल होने आयीं वैज्ञानिक डॉ. ईमान ने लिखा - भारत आपको ढेर सारा प्यार : धन्यवाद इंडिया। वहीं, सिंगापुर से आये प्रतिनिधि एलिजा ने अपनी भावना सन-बोर्ड पर दशार्ने से पहले अपने मोबाइल द्वारा भारत में अभिनंदन के लिए प्रचलित शब्द तलाश कर लिखा : नमस्ते ! थैंक्यू इंडिया।